Times of India, Ahmedabad, 14/01/2026
Page No: 2, Size: 35.00cm × 19.63cm

EARNS IGBC'S CERTIFICATION FOR ITS ROOFTOP SOLAR PANELS, NATURAL LIGHTING

# Green rating for Sabarmati multimodal hub

TIMES NEWS NETWORK

**Ahmedabad:** The high-speed rail multi-modal hub at Sabarmati has been awarded green certification by the Indian Green Building Council (IGBC).

Authorities of the National High Speed Rail Corporation Limited said that the hub has been planned as a seamless interchange connecting Sabarmati railway station, the metro station, the under-construction Sabarmati bullet train station, and the Bus Rapid Transport System (BRTS). On the east side of the bullet train station, there are 3-ft overbridges equipped with travelators to enable smooth transfers across modes. The building's facade features a large stainless-steel mural depicting the Dandi March movement.

TOI

Designed as a twin structure, the hub earmarks space for offices, commercial development, and retail

The authorities said that the key green features include rooftop solar panels, landscaped terraces and gardens, energy-efficient air conditioning and lighting, and optimised natural lighting and ventilation. Water-efficiency measures include low-flow fixtures and rainwater management, while waste segregation is supported by dedicated collection bins. The project also incorporates certified green building materials and sustainable architectural design.

Designed as a twin structure, the hub earmarks space for offices, commercial development, and retail. A third-floor concourse features waiting lounges, shops, and restaurants to enhance passenger comfort.

Rajasthan Patrika, Ahmedabad, 16/01/2026
Page No: 2, Size: 22.86cm × 12.99cm

**मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की पहली बिल्डिंग को आइजीबीसी से मिला ग्रीन सर्टिफिकेशन**

# साबरमती मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब को मिली गोल्ड रेटिंग

**पत्रिका न्यूज नेटवर्क**
patrika.com

**अहमदाबाद.** शहर के साबरमती क्षेत्र में स्थित हाइ-स्पीड रेल मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आइजीबीसी) की ओर से गोल्ड रेटिंग प्रदान की गई है। देश की पहली मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट से जुड़ी पहली बिल्डिंग है, जिसे देश की प्रमुख ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणन संस्था आइजीबीसी से ग्रीन सर्टिफिकेशन मिला है। इस हब का निर्माण साबरमती रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, निर्माणाधीन साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन और बस रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम (बीआरटीएस) से एक साथ एक जगह कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए किया गया है।

इसके अग्रभाग पर स्टेनलेस स्टील से बना एक बड़ा भित्तिचित्र है, जो दांडी मार्च आंदोलन को दर्शाता है। इस इमारत में छतों पर सोलर पैनल लगाने की व्यवस्था, बड़े लैंडस्केप वाली छतें और बगीचे, कुशल वॉटर फिक्स्चर, ऊर्जा कुशल एयर कंडीशनिंग और लाइटिंग फिक्स्चर शामिल हैं। इसमें प्रमाणित ग्रीन बिल्डिंग मटेरियल का उपयोग किया है। टिकाऊ वास्तुशिल्प डिजाइन, जल कुशल कम प्रवाह पाइपलाइन फिक्स्चर और वर्षा जल प्रबंधन सुविधा है। यहां प्रभावी कचरा प्रबंधन प्रणाली है, अनुकूलित प्राकृतिक प्रकाश और वेंटिलेशन की व्यवस्था है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की पहली बिल्डिंग साबरमती हब।

**तीन फुट ओवरब्रिज से रेल-मेट्रो स्टेशन से जुड़ाव :** इमारत साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन के पूर्व की ओर स्थित है। तीन फुट ओवरब्रिज (एफओबी) से जुड़ी है। ये एफओबी साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन, साबरमती रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशन और बीआरटीएस के बीच कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं। यह एक टिवन स्ट्रक्चर है जिसमें कार्यालय, वाणिज्यिक विकास और खुदरा बिक्री के लिए जगह है। तीसरी मंजिल पर यात्री प्रतीक्षा लाउंज, रेस्तरां व अन्य सुविधाएं हैं।

## 508 में से 415 किमी में पियर कार्य पूरा

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर की कुल लंबाई 508 किमी है, जिसमें से 332 कि.मी. तक वायाडक्ट और 415 किमी तक पियर का काम हो गया है। 15 प्रेस्ट्रेस्ड कंक्रीट (पीएससी) और 12 स्टील ब्रिज सहित नदियों पर कुल 17 पुल बन गए हैं। 245 किलोमीटर लंबे रास्ते पर 4.9 लाख से ज्यादा नॉइज बैरियर लग चुके हैं। 146 रूट किमी आरसी ट्रैक बेड बन गया है। गेनलाइन वायाडक्ट के लगभग 111 रूट किमी को कवर करते हुए बिजली लाइन (ओएचई) के लिए लगभग 4800 मास्ट लगाए गए हैं। सूरत और अहमदाबाद में रोलिंग स्टॉक डिपो का निर्माण चल रहा है। गुजरात के सभी स्टेशनों पर सुपरस्टक्चर का काम जारी है।

Sandesh, Ahmedabad, 14/01/2026
Page No: 22, Size: 18.10cm × 16.77cm

**Gold Rating by IGBC for Sabarmati Hub**

## ઇન્ડિયન ગ્રીન બિલ્ડિંગ કાઉન્સિલે ગોલ્ડ રેટિંગ આપ્યું

# સાબમરતી બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશનને દેશના પ્રથમ ગ્રીન બિલ્ડિંગનો દરજ્જો મળ્યો

અમદાવાદ । અમદાવાદ-મુંબઈ હાઇ સ્પીડ રેલ પ્રોજેક્ટ અંતર્ગત બનાવાયેલ સાબરમતી હાઇ સ્પીડ રેલ મલ્ટીમોડલ હબને ઇન્ડિયન ગ્રીન બિલ્ડિંગ કાઉન્સિલ દ્વારા ગોલ્ડ રેટિંગ આપવામાં આવ્યું છે. આ પ્રમાણપત્ર મેળવનાર દેશનું પ્રથમ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ સાથે જોડાયેલું પ્રથમ બિલ્ડિંગ બન્યું છે. જે ભારતના ટકાઉ ઇન્ફ્રાસ્ટ્રક્ચર વિકાસની નવી દિશા દર્શાવે છે. સાબરમતીનું આ મલ્ટીમોડલ હબ સાબરમતી રેલવે સ્ટેશન, મેટ્રો સ્ટેશન, બુલેટ ટ્રેન સ્ટેશન અને બીઆરટીએસ સાથે સરળ કનેક્ટિવીટી આપવા માટે ડિઝાઇન કરાયું છે. બિલ્ડિંગના ફેસાડ પર સ્ટેઇનલેસ સ્ટીલથી બનેલો ડાંડી માર્ચનું પ્રતિનિધિત્વ કરતો વિશાળ મ્યુરલ આ સમગ્ર માળખાનું વિશેષ આકર્ષણ છે. ટેરેસ પર સોલાર પેનલ્સ, લેન્ડસ્કેપ ટેરેસ અને ગ્રીન ગાર્ડન, ઉર્જા કાર્યક્ષમ એર કન્ડિશનિંગ અને લાઇટિંગ, ગ્રીન બિલ્ડિંગ સર્ટિફાઇડ મિટિરિયલ્સનો ઉપયોગ, પ્રાકૃતિક પ્રકાશ અને વેન્ટિલેશનની સુધારેલી વ્યવસ્થા સેગ્રેશન સિસ્ટમથી સજ્જ છે.

Divya Bhaskar, Ahmedabad, 14/01/2026
Page No: 1, Size: 29.02cm × 26.11cm
Other Editions: Surat, Vapi, Vadodara & Mumbai

# Sabarmati Hub gets a 'golden' crown: IGBC gives 'gold rating' to first building of bullet train project

# સાબરમતી હબના શિરે 'સુવર્ણ' કલગી: બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની પ્રથમ ઇમારતને IGBC 'ગોલ્ડ રેટિંગ'

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની આ પહેલી બિલ્ડિંગ જેને ગ્રીન સર્ટિફિકેશન આપવામાં આવ્યું છે

**અમદાવાદ** | સાબરમતી ખાતે તૈયાર કરાયેલા હાઈ-સ્પીડ રેલ મલ્ટિ-મોડલ હબને 'ઈન્ડિયન ગ્રીન બિલ્ડિંગ કાઉન્સિલ' (IGBC) દ્વારા 'ગોલ્ડ રેટિંગ' આપવામાં આવ્યું છે. બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની આ પ્રથમ ઈમારત છે જેને આવું ગ્રીન સર્ટિફિકેશન મળ્યું હોય. સોલર પેનલ્સ, વેસ્ટ મેનેજમેન્ટ અને નેચરલ વેન્ટિલેશન જેવી સુવિધાઓ ધરાવતું આ હબ રેલવે, મેટ્રો, એસ.ટી અને BRTS વચ્ચે સીમલેસ કનેક્ટિવિટી પૂરી પાડશે.

**Dabang Dunia, Mumbai, 14/01/2026**
**Page No: 1, Size: 13.65cm × 13.36cm**

# बुलेट ट्रेन परियोजना की पहली बिल्डिंग को मिला "गोल्ड रेटिंग" का तोहफा

## साबरमती हब को मिला इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल ने नवाजा

दबंग रिपोर्टर » मुंबई

मुंबई। बुलेट ट्रेन परियोजना , गुजरात के साबरमती में स्थित हाई-स्पीड रेल मल्टी-मॉडल हब को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) द्वारा "गोल्ड रेटिंग" प्रदान की गई, जो भारत के हाई-स्पीड रेल क्षेत्र में सतत बुनियादी ढांचे के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। यह भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना से जुड़ी पहली बिल्डिंग है ,जिसे आईजीबीसी ग्रीन सर्टिफिकेशन मिला है। आईजीबीसी भारत की प्रमुख ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणन संस्था है।



यह संस्था हरित अवधारणाओं और तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए वर्ल्ड ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल की संस्थापक सदस्य है। इस अत्याधुनिक इमारत का निर्माण साबरमती रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, निर्माणाधीन साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन और बस रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम के साथ निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए किया गया है। इस अनुकरणीय संरचना के अग्रभाग पर स्टेनलेस स्टील से बना एक बड़ा भित्तिचित्र प्रदर्शित है जो दांडी मार्च आंदोलन को दर्शाता है।

इस इमारत को विभिन्न हरित भवन सुविधाओं में शामिल करते हुए डिजाइन किया है, इस भवान की छतोंपर सोलर पैनल लगाने की व्यवस्था, बड़े लैंडस्केप वाली छतें और बगीचे, कुशल वॉटर फिक्स्चर, ऊर्जा कुशल एयर कंडीशनिंग और लाइटिंग लगे हुए है। यह इमारत साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन के पूर्व की ओर स्थित है और ट्रैवेलर्स से सुसज्जित तीन फुट ओवरब्रिज (एफओबी) के साथ एकीकृत है। मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति 11 जनवरी 2026 तक कॉरिडोर की कुल लंबाई 508 कि.मी. (गुजरात और डीएनएचः 352 कि.मी., महाराष्ट्रः 156 कि.मी.) विषयगत से डिजाइन किए गए 12 बुलेट ट्रेन स्टेशन (गुजरात में साबरमती, अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा, वापी और महाराष्ट्र में बोइसर, विरार, ठाणे और मुंबई) 508 कि.मी. में से 332 कि.मी. वायाडक्ट और 415 कि.मी. पियर का काम पूरा हो गया है।

सनद रहे कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में सात (07) पहाड़ी सुरंगों में से पहली ब्रेकथ्रू पूरा कर लिया गया है। बाकी छह पहाड़ी सुरंगों पर खुदाई का काम चल रहा है। इस कड़ी में सबसे अहम बात यह है कि मुंबई के बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 कि.मी. लंबी सुरंग में से 5 कि.मी. एनएटीएम सुरंग की खुदाई की जा चुकी है।

Hind Sagar, Mumbai, 14/01/2026
Page No: 4, Size: 37.25cm × 32.99cm

# बुलेट ट्रेन परियोजना की पहली बिल्डिंग को मिला " गोल्ड रेटिंग "

## साबरमती हब को मिला इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल ने नवाजा

**हिन्द सागर संवाददाता, मुंबई।** बुलेट ट्रेन परियोजना , गुजरात के साबरमती में स्थित हाई-स्पीड रेल मल्टी-मॉडल हब को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) द्वारा ₹गोल्ड रेटिंग₹ प्रदान की गई, जो भारत के हाई-स्पीड रेल क्षेत्र में सतत बुनियादी ढांचे के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। यह भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना से जुड़ी पहली बिल्डिंग है ,जिसे आईजीबीसी ग्रीन सर्टिफिकेशन मिला है।आईजीबीसी भारत की प्रमुख ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणन संस्था है। यह संस्था हरित अवधारणाओं और तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए वर्ल्ड ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल की संस्थापक सदस्य है। इस अत्याधुनिक इमारत का निर्माण साबरमती रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, निर्माणाधीन साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन और बस रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम के साथ निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए किया गया है। इस अनुकरणीय संरचना के अग्रभाग पर स्टेनलेस स्टील से बना एक बड़ा भित्तिचित्र प्रदर्शित है जो दांडी मार्च आंदोलन को दर्शाता है।इस इमारत को विभिन्न हरित भवन सुविधाओं में शामिल करते हुए डिज़ाइन किया है, इस

भवान की छतों पर सोलर पैनल लगाने की व्यवस्था, बड़े लैंडस्केप वाली छतें और बगीचे, कुशल वॉटर फिक्स्चर, ऊर्जा कुशल एयर कंडीशनिंग और लाइटिंग लगे हुए है। यह इमारत साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन के पूर्व की ओर स्थित है और ट्रैवेलर्स से सुसज्जित तीन फुट ओवरब्रिज (एफओबी) के साथ एकीकृत है। मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति 11 जनवरी 2026 तककॉरिडोर की कुल लंबाई 508 कि.मी. (गुजरात और डीएनएचः 352 कि.मी., महाराष्ट्रः 156 कि.मी.) विषयगत रूप से डिज़ाइन किए गए 12 बुलेट ट्रेन स्टेशन (गुजरात में साबरमती, अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा, वापी और महाराष्ट्र में बोइसर, विरार, ठाणे और मुंबई) 508 कि.मी. में से 332 कि.मी. वायाडक्ट और 415 कि.मी. पियर का काम पूरा हो गया है। सनद रहे कि महाराष्ट्र के पालघर जिले में सात (07) पहाड़ी सुरंगों में से पहली ब्रेकथ्रू पूरा कर लिया गया है। बाकी छह पहाड़ी सुरंगों पर खुदाई का काम चल रहा है। इस कड़ी में सबसे अहम बात यह है कि मुंबई के बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 कि.मी. लंबी सुरंग में से 5 कि.मी. एनएटीएम सुरंग की खुदाई की जा चुकी है।

LOK PARIVAAR, Mumbai, 14/01/2026
Page No: 6, Size: 19.37cm × 30.35cm

# साबरमती हब को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (IGBC) द्वारा 'गोल्ड रेटिंग' प्रदान की गई

**सोनी उपाध्याय**

**ठाणे।**गुजरात के साबरमती में स्थित हाई-स्पीड रेल मल्टी-मॉडल हब को इंडियन ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल (आईजीबीसी) द्वारा "गोल्ड रेटिंग" प्रदान की गई, जो भारत के हाई-स्पीड रेल क्षेत्र में सतत बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह भारत की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना से जुड़ी पहली बिल्डिंग है जिसे प्रतिष्ठित आईजीबीसी ग्रीन सर्टिफिकेशन मिला है।आईजीबीसी भारत की प्रमुख ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणन संस्था है और सततता, हरित अवधारणाओं और तकनीकों को बढ़ावा देने के लिए वर्ल्ड ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल की संस्थापक सदस्य है।

इस अत्याधुनिक इमारत का निर्माण साबरमती रेलवे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, निर्माणाधीन साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन और बस रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम के साथ निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए किया गया है। इस अनुकरणीय संरचना के अग्रभाग पर स्टेनलेस स्टील से बना एक बडा भित्तिचित्र प्रदर्शित है जो साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन, साबरमती रेलवे स्टेशनों, मेट्रो स्टेशन और बीआरटीएस के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करते हैं।

यह एक द्विन स्ट्रक्चर है जिसमें कार्यालयों, वाणिज्यिक विकास और खुदरा बिक्री के लिए जगह निर्धारित है। तीसरी मंजिल के स्तर पर एक सौंदर्यपूर्ण रूप दांडी मार्च आंदोलन को दर्शाता है।

इस इमारत को विभिन्न हरित भवन सुविधाओं को शामिल करते हुए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें शामिल हैं

छतों पर सोलर पैनल लगाने की व्यवस्था, बड़े लैंडस्केप वाली छतें और बगीचे, कुशल वॉटर फिक्स्चर, ऊर्जा कुशल एयर कंडीशनिंग और लाइटिंग फिक्स्चर

- ऊर्जा-कुशल प्रकाश और विद्युत प्रणालियाँ
- प्रमाणित ग्रीन बिल्डिंग मटेरियल का उपयोग
- टिकाऊ वास्तुशिल्प डिजाइन
- जल कुशल कम प्रवाह पाइपलाइन फिक्स्चर और वर्षा जल प्रबंधन
- प्रभावी कचरा प्रबंधन प्रणाली। संग्रहण बिनों के माध्यम से कचरे का पृथक्करण
- अनुकूलित प्राकृतिक प्रकाश और वेंटिलेशन

यह इमारत साबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन के पूर्व की ओर स्थित है और ट्रैवेलर्स से सुसज्जित तीन फुट ओवरब्रिज (एफओबी) के साथ एकीकृत है। ये एफओबी से मनभावन समागम यात्री आराम के लिए प्रतीक्षा लाउंज, खुदरा विकल्प और रेस्तरां जैसी सुविधाएं प्रदान करता है।

इस मान्यता के साथ, हाई-स्पीड रेल मल्टी-मॉडल हब सतत परिवहन अवसंरचना के लिए एक नया मानक स्थापित करता है, जो पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हुए यात्री अनुभव को बढ़ाता है।

मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति: 11 जनवरी 2026 तक

- कॉरिडोर की कुल लंबाई: 508 कि.मी. (गुजरात और डीएनएच: 352 कि.मी., महाराष्ट्र: 156 कि.मी.)
- विषयगत रूप से डिज़ाइन किए गए 12 बुलेट ट्रेन स्टेशन (गुजरात में साबरमती, अहमदाबाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, बिलिमोरा, वापी और महाराष्ट्र में बोइसर, विरार, ठाणे और मुंबई)
- 508 कि.मी. में से 332 कि.मी. वायाडक्ट और 415 कि.मी. पियर का काम पूरा हो गया है
- 17 नदी पुल, 05 पीएससी (प्रेस्ट्रेस्ड कंक्रीट) और 12 स्टील ब्रिज पूरे हो गए है

LOK PARIVAAR, Mumbai, 14/01/2026
Page No: 5, Size: 28.81cm × 23.89cm

## "Sabarmati Hub" received "Gold Rating" from Indian Green Building Council (IGBC)

# सबरमती हब" साठी इंडियन ग्रीन बिल्डिंग कौन्सिल (आयजीबीसी) कडून "गोल्ड रेटिंग" मिळाली

## हा पहिला बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचा इमारत आहे ज्याला ही हरित प्रमाणपत्रमिळाले आहे.

**राजश्री खारकर**

**ठाणे।** गुजरातमधील सबरमती हाय-स्पीड रेल मल्टी-मोडल हबने इंडियन ग्रीन बिल्डिंग कौन्सिल (आयजीबीसी) कडून "गोल्ड रेटिंग" मिळवली असून, ही भारताच्या हाय-स्पीड रेल क्षेत्रातील टिकाऊ पायाभूत सुविधांच्या विकासातील एक महत्त्वपूर्ण टप्पा मानली जात आहे. हा भारताच्या पहिल्या बुलेट ट्रेन प्रकल्पाशी संबंधित इमारत आहे ज्याला प्रतिष्ठित आयजीबीसी हरित प्रमाणपत्र मिळाले आहे.

आयजीबीसी ही भारताची प्रमुख हरित इमारत प्रमाणपत्र संस्था आहे आणि टिकाऊपणा, हरित संकल्पना आणि तंत्रज्ञानांना प्रोत्साहन देण्यासाठी वर्ल्ड ग्रीन बिल्डिंग कौन्सिलची संस्थापक सदस्य संस्था आहे.

या अत्याधुनिक इमारतीची रचना सबरमती रेल्वे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन, बांधकामाधीन सबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन आणि बस रॅपिड ट्रान्सपोर्ट सिस्टमसह अखंड कनेक्टिव्हिटी प्रदान करण्यासाठी केली गेली आहे. या उत्कृष्ट रचनेच्या समोरच्या भागावर स्टेनलेस स्टीलने बनवलेले मोठे भित्तीचित्र दिसते, जे दांडी मार्च चळवळीचे दर्शन घडवते.

ही इमारत विविध हरित इमारत वैशिष्ट्ये समाविष्ट करून डिझाइन करण्यात आली आहे, ज्यात पुढील बाबींचा समावेश आहे:

- छतावर सौर पॅनेल्सची सोय, विस्तृत लँडस्केप टेरेस आणि बागा, कार्यक्षम पाणी उपकरणे, ऊर्जा कार्यक्षम एअर कंडिशनिंग आणि प्रकाशयोजना
- ऊर्जा कार्यक्षम प्रकाशयोजना आणि विद्युत प्रणाली
- प्रमाणित हरित इमारत साहित्याचा वापर
- टिकाऊ वास्तुशास्त्रीय रचना
- पाण्याची बचत करणारी कमी

प्रवाहाची प्लंबिंग उपकरणे आणि पावसाचे पाणी व्यवस्थापन

- प्रभावी कचरा व्यवस्थापन पद्धती, कचरा वेगवेगळ्या गोळा करण्याच्या डब्यांद्वारे वर्गीकरण
- नैसर्गिक प्रकाश आणि वायुवाहिनीसाठी अनुकूल रचना

ही इमारत सबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशनच्या पूर्वेकडील बाजूस स्थित आहे आणि ट्रॅव्हलेटरने सुसज्ज तीन फूट ओव्हरब्रिजेस (एफओबीएस) सोबत एकत्रित केलेली आहे. ही एफओबीएस सबरमती बुलेट ट्रेन स्टेशन, सबरमती रेल्वे स्टेशन, मेट्रो स्टेशन आणि बीआरटीएस यांच्यात अखंड कनेक्टिव्हिटी प्रदान करतात.

ही इमारत द्विगुण संरचनेची असून, कार्यालये, व्यावसायिक विकास आणि किरकोळ दुकाने यासाठी जागा राखून ठेवण्यात आली आहे. तिसऱ्या मजल्यावरील सुंदर कंकॉर्स प्रवाशांच्या सोईसाठी प्रतीक्षालय, किरकोळ दुकाने आणि रेस्टॉरंट्स यांसारख्या सुविधांसह सुसज्ज आहे.

या मान्यतेसह, हाय-स्पीड रेल मल्टी-मोडल हबने टिकाऊ वाहतूक पायाभूत सुविधा क्षेत्रात एक नवीन मानक स्थापन केले आहे, जे प्रवाशांचा अनुभव सुधारते आणि पर्यावरणीय परिणाम कमी करते.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाची प्रगती: 11 जानेवारी 2026 रोजी

- कॉरिडॉरची एकूण लांबी: 508 किमी (गुजरात आणि डीएनएच: 352 किमी, महाराष्ट्र: 156 किमी)
- 12 थीम आधारित बुलेट ट्रेन स्टेशन (गुजरात: सबरमती, अहमदाबाद, आनंद, वडोदरा, भरुच, सूरत, बिलीमोरा, वापी; महाराष्ट्र: बोईसर, विरार, ठाणे आणि मुंबई)
- 508 किमी पैकी 332 किमी व्हायडक्ट आणि 415 किमी पियर कार्य पूर्ण
- 17 नदी पूल, 05 पीएससी (प्री-स्ट्रेस्ड कॉंक्रीट) आणि 12 स्टील पूल पूर्ण
- 245 किमी अंतरावर 4.9 लाखांहून अधिक नॉइज बॅरियर्स बसवले
- 292 ट्रॅक किमी (146 रूट किमी) आरसी ट्रॅक बेडचे बांधकाम पूर्ण
- सुमारे 4800 ओएचई मस्त बसवले, मुख्य व्हायडक्ट रूटच्या सुमारे 111 रूट किमी कव्हर करत आहेत
- महाराष्ट्रातील पालघर जिल्ह्यातील सात(07) पर्वत मार्गातील सुरंगांपैकी पहिल्या पर्वत मार्गातील सुरंगात ब्रेकथ्रू साधला; इतर सहा पर्वत मार्गातील सुरंगांचे खणकाम चालू आहे
- बीकेसी ते शिलफाटा (महाराष्ट्र) दरम्यान 21 किमी एनएटीएम सुरंगापैकी 5 किमी खणकाम पूर्ण
- सूरत आणि अहमदाबाद येथील रोलिंग स्टॉक डिपोचे बांधकाम चालू
- गुजरातमधील सर्व स्टेशनवर सुपरस्ट्रक्चर कार्य प्रगत अवस्थेत
- महाराष्ट्रातील तीन एलिव्हेटेड स्टेशनवर काम सुरू असून मुंबई अंडरग्राउंड स्टेशनच्या बेस स्लॅब कास्टिंगचे काम चालू आहे